रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

संस्कृत के ज्ञान से हम अपने आपको जान सकते हैं – प्रो. मिश्र

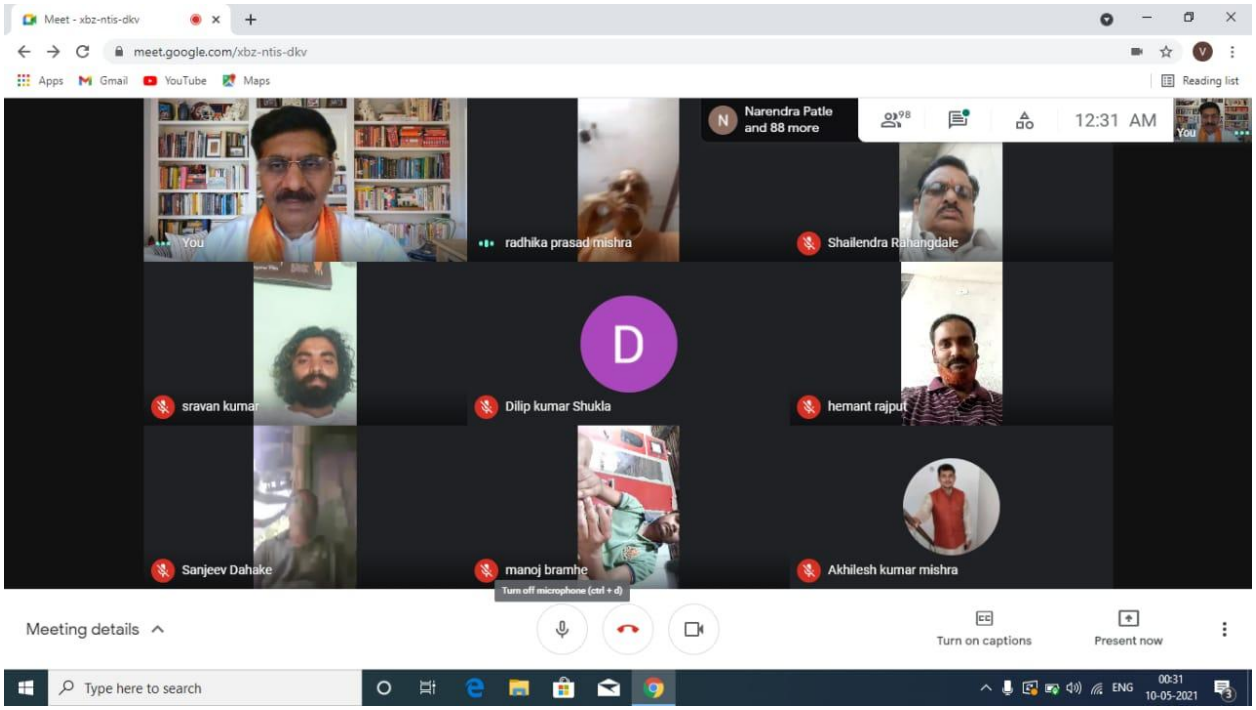

जबलपुर 10 मई। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के संस्कृत विभाग एवं संस्कृतभारती के संयुक्त तत्त्वावधान में आज से 15 दिन का ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण वर्ग का शुभारम्भ गूगल मीट पर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र जी ने संस्कृत भाषा मे अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कृत भाषा मे निहित योगदर्शन का आज पूरा विश्व अनुसरण कर रहा है जिससे शरीर के बाह्य अंग तो पुष्ट होते ही हैं पर उससे भी अधिक शरीर के अंदर के अंग बढ़ते हैं। वर्तमान की परिस्थिति, हमारी संस्कृति एवं अपने आपको संस्कृत के ज्ञान से ही हम जान सकते हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यक्षेत्र के क्षेत्र संगठन मन्त्री श्रीमान् प्रमोद पण्डित जी ने कहा की 38 वर्षों से संस्कृतभारती नामक स्वयं सेवी संस्था संस्कृत जन–जन के मुख में हो इस पवित्र उद्देश्य से कार्य कर रही है और अपने संकल्प में सफल भी हो रही हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ जागेश्वर पटले प्रांत संगठन मन्त्री महाकौशल प्रान्त ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि संस्कृत केवल भाषा नही अपितु हमारी जननी है जो ज्ञान के साथ–2 संस्कार भी प्रदान करती है। विषय प्रवर्तन, एवं स्वागत भाषण देते हुए संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. राधिका प्रसाद मिश्र जी ने कहा कि देवभाषा संस्कृत आज पूरे विश्व की मांग है। संस्कृत में वर्णित वनस्पति विज्ञान आज पूरे विश्व को इस कोविड जैसी महामारी से बचा रहा है। उद्‌घाटन के पश्चात् ऑनलाइन

कक्षा में संदीप मिश्र एवं नितेश मिश्र ने प्रथम दिवस के पाठ का अभ्यास कराया। ऑनलाइन कक्षा में पूरे देश विदेश से 255 छात्रों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र अतिथि व्याख्याता आरडीयू ने किया।